13.05.2023

DAINIK JAGRAN

पांच करोड़ के नकली नोट छाप चुका था, लोनी में छापा मारकर दबोचा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गाजियाबाद में नकली नोट छापने वाली यूनिट पर छापेमारी कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उससे छह लाख 72 हजार की नकली करेंसी बरामद की है। आरोपित 100 रुपये के नकली नोट को 30 रुपये में बेचता था। पुलिस को उससे दो हजार, पांच सौ और दो सो के नकली नोट मिले हैं। वह दिल्ली में नकली नोट सप्लाई करने के लिए आया था।

दसवीं फेल प्रशांत उर्फ विराट मूलतः तमिलनाडु के त्रिशूर जिले का रहने वाला है। साल 2013 में वह दिल्ली आया और उसने एसी मैकेनिक के रूप में काम शुरू किया। साल 2015 में गाजियाबाद की सिहानी गेट थाना पुलिस ने प्रशांत को चोरी की बाइक सहित पकड़ा था। इस मामले में वह डासना जेल में बंद रहा था। प्रशांत ने बताया कि नकली नोट बनाने का तरीका उसने डासना जेल में सीखा था। वह अभी तक करीब पांच करोड़ रुपये की कीमत के नकली नोट छाप चुका है। इन्हें वह दिल्ली-एनसीआर के अन्य हिस्सों में सप्लाई करता था। प्रशांत को नकली नोट छापने के मामले में पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है। स्पेशल सेल के डीसीपी राजीव रंजन सिंह ने बताया कि प्रशांत ने गाजियाबाद में नकली नोट छापने का पूरा प्रिंटिंग सेटअप लगा रखा था।



स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार आरोपित व बरामद नकली नोट ● सौजन्य दिल्ली पुलिस

6 लाख 72 हजार रुपये के नकली नोट बरामद

30 रुपये में बेचता था 100 रुपये का नकली नोट

किराये के मकान में छाप रहा था नकली नोट

आरोपित नकली नोट लोनी मिरजा गार्डन के पास किराये के मकान में छापता था। पुलिस ने कमरे से करीब 35 हजार सफेद कागज, प्रिंटर, कटर, सुरक्षा धागे के रूप में प्रयुक्त होने वाली रंगीन टेप भी बरामद की है।

ऐसे छापता था नकली नोट

प्रशांत सफेद कागज पर नए नोट चिपका कर उन्हें स्कैन करता था। इसके बाद प्रिंटर से उसी साइज के नोट निकालता था। नोटों पर महात्मा गांधी का वाटर-मार्क छापने के लिए स्क्रीन प्रिंटिंग फ्रेम का उपयोग करता था। नोटों की कटिंग में ट्रांसपैरेंट ग्लास स्लैब्स प्रयोग करता था।